जी डी गोइंका पब्लिक स्कूल श्रीनगर

कक्षा:छठी तृतीय भाषा(6th Third language) विषय:हिंदी प्रसंग: एक पत्र - श्रीनंदनी के नाम

पृष्ठ संख्या 100

1) पाठ से... लिखित (उत्तर)

क) पत्र लिखना शुरु करने के समय प्राकृतिक वातवरण बहुत अच्छा था। आसमान पर बादल छाए थे, कडाके की ठंड पड रही थी, हवा चल रही थी। उँचे-उँचे पेडों की फुनगियाँ झूम रही थी।

ख) दादा जी अपना समय शांतिनिकेतन में ऐसे बिताना चाहते थे। वह वहा पर चित्रकारी करते, सवेरे गरम-गरम कॉफी और बटर- टोस्ट खाते और फिर लाल बजरी बिछे बाग में टहलने जाया करते।

ग) दादा जी पत्र लिखते-लिखते बीच में उठकर नहाने के लिए गए थे।

घ. पत्र में दिए इस अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखो—

नाश्ते के बाद गरम पानी से नहाकर फिर लिखने बैठा हूँ। बादल अब बहुत-कुछ छँट गए हैं, धूप निकल आई है। पेड़ों की डालें हवा में डोल रही हैं और पत्ते झिलमिल-झिलमिल चमक उठे हैं, और न जाने कितनी तरह की चिड़ियाँ गा रही हैं। इन चिड़ियों को मैं पहचान नहीं सका हूँ। आज और कुछ लिखने का समय नहीं रह गया है। इति।

i. लेखक क्या करने बैठे थे?
ii. उस समय मौसम कैसा था?
iii. पत्ते कैसे दिख रहे थे?
iv. पत्र में चिड़ियों के बारे में क्या लिखा है?
v. क्या करने का समय नहीं रह गया था?

i) लेखक पत्र लिखने बैठे थे ।

ii) धूप निकल आई थी।

iii) पत्ते चमकीले दिख रहे थे।

iv) जाने कितनी तरह की चिडियाँ गा रही है।

v) पत्र के अलावा और कुछ लिखने का समय नहीं रह गया था ।

=> यह कार्य आप अपनी उत्तर पुस्तिका(Notebook) पर लिखिए एवं इसको याद करे। इसे प्रिंट करने की ज़रूरत नही है।